

वडिफॉल टैक्स

प्रलिस के लयि:

वडिफॉल टैक्स, रूस-यूक्रेन संघर्ष, कोवडि-19, राजकोषीय नीति।

मेन्स के लयि:

वडिफॉल टैक्स से संबंधित तरक और मुद्दे।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने जुलाई 2022 में घरेलू **कच्चे तेल** उत्पादकों पर **वडिफॉल टैक्स /अप्रत्याशति कर** लगाए जाने को उचित ठहराते हुए कहा है कि यह तदर्थ (अचानक बनाया या लया गया) कदम नहीं है, बल्कि उद्योग के साथ पूरण परामर्श के बाद उठाया गया है।

- भारत के अलावा यूनाइटेड किंगडम, इटली और जर्मनी सहित कई देशों ने पहले ही ऊर्जा कंपनियों के सुपर नॉर्मल प्रॉफिट पर अप्रत्याशति लाभ कर (Windfall Profit Tax) लगा दिया है या ऐसा करने पर वचार कर रहे हैं।

वडिफॉल टैक्स:

परचिय:

- वडिफॉल टैक्स किसी वशिष कंपनी या उद्योग को हुए अप्रत्याशति बड़े मुनाफे पर लगाई गई उच्च कर दर है। उदाहरण के लखिस-यूक्रेन संघर्ष के परणामस्वरूप ऊर्जा मूल्य-वृद्धि।
- ये ऐसे लाभ हैं जनिहें फर्म द्वारा किसी सकरयि नविश रणनीति या व्यवसाय के वसितार के लयि ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।
- अप्रत्याशति लाभ को "बनिा किसी अतरिकित प्रयास या व्यय के आय में अनर्जति, अप्रत्याशति लाभ" के रूप में परभाषति कया गया है।
- सरकारें आमतौर पर इस तरह के मुनाफे पर कर की सामान्य दरों के ऊपर पूरवव्यापी रूप से एकमुशत कर लगाती हैं, जसि वडिफॉल टैक्स कहा जाता है।
- एक कषेत्र जहाँ इस तरह के करों पर नयिमति रूप से चर्चा की जाती है, वह है तेल बाज़ार, जहाँ कीमतों में उतार-चढ़ाव से उद्योग को अस्थरि या अनश्चिति लाभ होता है।

औचितिय:

- अप्रत्याशति लाभ के पुनर्वतिरण सहित कई कारणों से दुनिया भर की सरकारों द्वारा वडिफॉल टैक्स को पेश कया गया है, जब उपभोक्ता वस्तुओं की उच्च कीमतों से उत्पादकों को लाभ होता है, साथ ही सरकार को भी सामाजिक कल्याण योजनाओं के वतितपोषण हेतु राजस्व की प्राप्ति होती है।

देशों द्वारा वडिफॉल टैक्स लगाने का कारण:

- पछिले वर्ष के अंत से और चालू वर्ष की पहली दो तमिाहयिों में तेल, गैस एवं कोयले की कीमतों में तेज़ वृद्धि देखी गई है, हालाँकि हाल ही में इनमें कमी आई है।
- यह वृद्धि कारकों के संयोजन से उत्पन्न हुई है, जसिमें कोवडि-19 का सामना करने हेतु आर्थिक सुधार के दौरान ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन जैसे कारक शामिल हैं, जो यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण और अधिक बढ़ गया है।
- रूस-यूक्रेन संघर्ष के परणामस्वरूप महामारी से उबरने और आपूर्ति के मुद्दों ने ऊर्जा की मांग को बढ़ा दिया, जसिसे वैश्विक कीमतें बढ़ गईं।
- बढ़ती कीमतों का अर्थ ऊर्जा कंपनियों के लयि भारी और रकिॉर्ड मुनाफा था, जसिका कारण बड़ी एवं छोटी अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू बलियों हेतु बड़े गैस और बजिली के बलि थे।
- यह कर ऐसे समय में लगाया गया है जब रफाइनेरों ने यूरोप जैसे घाटे में फँसे देशों को ईंधन नरियात बढ़ाकर बड़ा लाभ कमाया है, जसिने अब रूस से तेल आयात का बहिषकार कया है।

- **राष्ट्र (United Nations-UN)** के प्रमुख ने सभी सरकारों से इन अत्यधिक मुनाफे पर कर लगाने का आग्रह किया "और इस कठिन समय में सबसे कमजोर लोगों का समर्थन करने के लिये धन का उपयोग करने को कहा।"
- अप्रत्याशति करों को लागू करने के आह्वान को **IMF जैसे संगठनों में भी समर्थन** मिला, जसिने इस प्रकार के करों को आरोपित करने के वषिय/तरीकों पर एक परामर्श-पत्र जारी किया।

वडिफॉल टैक्स से संबंधित मुद्दे:

- **बाज़ार में अनश्चितता:**
 - कर व्यवस्था में नश्चितता और स्थिरता होने पर कंपनियों किसी क्षेत्र में नविश करने में वशिवास रखती हैं।
 - चूँकि अप्रत्याशति कर पूरवव्यापी रूप में लगाए जाते हैं और प्रायः अप्रत्याशति घटनाओं से प्रभावित होते हैं, ये भवषिय के करों के बारे में बाज़ार में अनश्चितता पैदा कर सकते हैं।
- **प्रकृत में लोकलुभावन:**
 - ऐसा माना जाता है कि इस तरह के कर अलपावधि में लोकलुभावन और राजनीतिक रूप से उपयुक्त होते हैं।
- **भवषिय के नविश में कमी:**
 - एक अस्थायी अप्रत्याशति लाभ कर का परिचय भवषिय के नविश को कम करता है क्योंकि संभावित नविशक नविश निर्णय लेते समय संभावित करों की संभावना का आकलन करेंगे।
 - यदि कीमतों में तीव्र वृद्धि से एकतरफा लाभ में वृद्धि होती है, तो इसे वास्तविक रूप में अप्रत्याशति कहा जा सकता है, लेकिन यह तर्क दिया जा सकता है कि ये ऐसे लाभ हैं जसि कंपनियों ने अंतमि उपयोगकर्त्ता को अंतमि उत्पाद प्रदान करने के क्रम में जोखमि लेने वाले उद्योगों के लिये एक पुरस्कार के रूप में अर्जित किया है।
 - यह परिभाषित नहीं है कि यह कर किस पर लगाया जाना चाहिये, उच्च-मूल्य वाली बकिरी या छोटी कंपनियों के व्यापार के लिये ज़मिमेदार बड़ी कंपनियों, यह सवाल उठती है कि क्या एक नश्चित सीमा से नीचे के राजस्व या लाभ वाले उत्पादकों को छूट दी जानी चाहिये अथवा नहीं।

UPSC सविलि सेवा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQ):

प्रश्न. संवधान (101वाँ संशोधन) अधनियम, 2016 की मुख्य वशिषताओं की व्याख्या करें। क्या आपको लगता है कि यह "करों के व्यापक प्रभाव को दूर करने और वस्तुओं एवं सेवाओं के लिये सामान्य राष्ट्रीय बाज़ार प्रदान करने" हेतु पर्याप्त प्रभावशाली है? (2017)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/windfall-tax-1>